PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 037
दि. 06.06.2026, शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

दमन की यात्रा पर पहुंचे पीएम मोदी, हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं की दी सौगात

(जीएनएस)।

दमन , प्रधानमंत्री मोदी ने दमन में विकास योजनाओं की शुरूआत की और देश की 7.7 फीसदी विकास दर को बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने स्वास्थ्य, सौर ऊर्जा और पर्यटन में हुए सुधारों की जानकारी दी। साथ ही लक्षद्वीप में नए बंदरगाहों और दमन में नमो अस्पताल की सौगात दी।

सूरत में अपना कार्यक्रम खत्म करने के बाद अब प्रधानमंत्री मोदी दमन की यात्रा पर पहुंचे हैं। उन्होंने वहां नमो हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। दमन में कुल 2,970 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरूआत हुई। प्रधानमंत्री ने दमन से ही केंद्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप के लिए भी बड़ी घोषणाएं कीं। उन्होंने करीब 885 करोड़ रुपये की चार परियोजनाओं का ऑनलाइन शिलान्यास किया। इन योजनाओं के तहत लक्षद्वीप के कल्पेनी और कदमत द्वीपों पर बंदरगाहों का विकास होगा। इन परियोजनाओं से दमन और लक्षद्वीप दोनों क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूती मिलेगी।

परियोजनाओं की शुरूआत के बाद पीएम मोदी ने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने दमन को 'मिनी इंडिया' का जीता-जागता उदाहरण बताया। पीएम ने कहा कि यहां अलग-अलग क्षेत्रों के लोग रहते हैं। यह पूरे भारत की एक सुंदर झलक है। दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव के लोगों ने दशकों से विकास के सपने देखे थे। पिछली पीढ़ियां इन सपनों को पूरा होते नहीं देख पाईं। लेकिन आज की पीढ़ी इन सपनों को सच होते देख रही है। पीएम ने कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और शहरी बुनियादी ढांचे से जुड़ी कई परियोजनाओं की शुरूआत की। इनसे युवाओं के लिए नए अवसर तैयार होंगे।

पीएम ने देश की जीडीपी पर जताई खुशी

संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट पर भी प्रतिक्रिया दी और देश की आर्थिक मजबूती पर खुशी जताई। पीएम मोदी ने कहा, आज जो आंकड़े सामने आए हैं, उनसे साफ है कि भारत की अर्थव्यवस्था की नींव कितनी मजबूत है। वर्ष 2025-26 में, यानी जो वित्त वर्ष पूरा हुआ है, इसमें भारत ने 7.7 फीसदी की विकास दर हासिल की है। 31 मार्च को खत्म हुए पिछली तिमाही में भारत की ग्रोथ रेट 7.8 फीसदी रही है। ये दुनिया में तेज

गति से आगे बढ़ने वाली इकोनॉमी है। हर भारतीय को गर्व का एहसास हो, ऐसी है देश के आर्थिक विकास की गति। पीएम ने आगे कहा, बुनियादी ढांचे के विस्तार और गरीब कल्याण योजनाओं से भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है। पीएम ने भरोसा दिया कि देश 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' के रास्ते पर मजबूती से आगे बढ़ता रहेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पीएम ने बताया कि इस केंद्र शासित प्रदेश की सरकारी इमारतों में 100 प्रतिशत सौर ऊर्जा का इस्तेमाल हो रहा है। दीव में दिन की बिजली की पूरी जरूरत सोलर पावर से ही पूरी होती है। अब घरों में रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने की पहल शुरू हुई है। 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम के तहत यहां करीब 1 लाख पौधे लगाए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में पीएम ने आयुष्मान कार्ड की सफलता का जिक्र किया। इसके तहत गरीबों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलता है। मिशन इंद्रधनुष से बच्चों का टीकाकरण 60 प्रतिशत से बढ़कर करीब 90 प्रतिशत पहुंच गया है। सिलवासा के बाद अब दमन में भी नमो अस्पताल की सुविधा मिल रही है। यहां मेडिकल कॉलेज के साथ पोस्ट-ग्रेजुएट की पढ़ाई भी शुरू हो गई है।

समुद्री अर्थव्यवस्था (ब्लू इकोनॉमी) को मजबूत करने के लिए लक्षद्वीप के कल्पेनी और कदमत द्वीपों में आधुनिक पोर्ट की नींव रखी गई है। पर्यटन के क्षेत्र में भी यह इलाका तेजी से बढ़ रहा है। यहां पर्यटकों की संख्या 2021 में छह लाख थी, जो 2025 में बढ़कर लगभग 50 लाख पहुंच गई है। 'देखो अपना देश' जैसी पहलों से हेरिटेज, बीच और इको टूरिज्म को नई ऊर्जा मिल रही है।

'नकारात्मकता से बहुत आगे निकल चुका है भारत...' पीएम मोदी ने बताया देश की असली ताकत क्या है!

(जीएनएस)।

सूरतः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर सूरत से केंद्र और राज्य सरकारों की 24 अलग-अलग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया. उन्होंने दक्षिण गुजरात को 18,778 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का तोहफा दिया. सूरत के दीनदयाल उपाध्याय इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने सूरत के लोगों के हौसले की तारीफ की. कहा, सूरत, जिसने कभी प्लेग जैसी महामारी का सामना किया था, आज पूरे देश में स्वच्छता और पर्यावरण-अनुकूल ऊर्जा का एक बेहतरीन उदाहरण बनकर उभरा है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "दुनिया इस समय अभूतपूर्व चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है. कुछ समय पहले मैंने कहा था कि यह दशक

दुनिया के लिए आपदाओं का दशक साबित हो रहा है. हाल के दिनों में हमने एक के बाद एक वैश्विक आपदाएं देखी हैं. पहले कोविड-19 के कारण बड़ा संकट आया; फिर अलग-अलग जगहों पर युद्ध छिड़ गए, और गंभीर ऊर्जा संकट ने पूरी दुनिया को अस्त-व्यस्त कर दिया है. दुनिया भर में पेट्रोल की कीमतें लगातार घट-बढ़ रही हैं और गैस सप्लाई चेन ठप हो रही है. मुझे इस बात का बहुत संतोष है कि 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक प्रयासों से देश ऐसी हर चुनौती का मजबूती से सामना कर रहा है."

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "आज देश में कुछ ऐसे निराशावादी लोग हैं जो लगातार 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान का मजाक उड़ाते हैं. वे देश के इस संकल्प को हमेशा कमतर आंकते हैं. ये वही लोग हैं जिन्होंने भारत को हमेशा दूसरे देशों पर निर्भर रखा. वे भूल जाते हैं कि

लखनऊ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बड़ा बयान, संकल्प निश्चित रूप से होगा पूरा; भारत का हिस्सा बनेगा पीओके

(जीएनएस)। लखनऊ। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ में बड़ा बयान दिया। सीतापुर रोड के ब्रज की रसोई परिसर में चल रही पद्म विभूषण जगद्गुरु रामभद्राचार्य की रामकथा में पहुंचे राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) एक दिन अवश्य भारत का अभिन्न अंग बनेगा और राष्ट्र का यह संकल्प पूर्ण होगा।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य के आशीर्वाद लेने के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भी जगद्गुरु रामभद्राचार्य के प्रति अत्यंत श्रद्धा रखते थे। उन्होंने कहा कि गुरुदेव का आशीर्वाद सदैव राष्ट्र निर्माण और जनसेवा के कार्यों में प्रेरणा देता रहा है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि गुरु जी ने पाक अधिकृत कश्मीर को भारत का हिस्सा बनाने का आशीर्वाद दिया इसे जरूर पूरा करूंगा। इससे पहले पद्म विभूषण जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को आशीर्वाद देते हुए कहा कि राष्ट्रहित और भारत की अखंडता से जुड़े संकल्प निश्चित रूप से पूरा होगा। जगद्गुरु ने रक्षा मंत्री को आशीर्वाद देते हुए कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) एक दिन अवश्य भारत का अभिन्न अंग बनेगा और राष्ट्र का यह संकल्प पूर्ण होगा।

कथा व्यास जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने रामायण को राष्ट्र ग्रंथ घोषित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि भारत की सांस्कृतिक चेतना और सनातन परंपराओं का संरक्षण समय की मांग है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्श आज भी राष्ट्र जीवन का मार्गदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने लखनऊ और सीतापुर की ऐतिहासिक एवं पौराणिक महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भूमि रामायणकालीन परंपराओं से जुड़ी हुई है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत लगाया पलाश का पौधा

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देशभर में चल रहे 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत अपने आधिकारिक आवास पर पलाश का पौधा रोपित कर अभियान में सहभागिता की।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि पौधारोपण धरती माता की रक्षा का सबसे प्रभावी और सरल उपाय है।

पीएम मोदी से अमित शाह तक, सोशल मीडिया के जरिये सीएम योगी को यूं मिलीं बधाइयां, ये जन्मदिन इसलिए भी है बेहद खास!

(जीएनएस)।

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत अन्य नेताओं ने शुभकामनाएं दी हैं। सोशल मीडिया के जरिए पीएम, गृह मंत्री समेत अन्य नेताओं ने योगी के 54 वें जन्मदिन पर उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना की।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके जन्मदिन पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं। राज्य की प्रगति के लिए उनके काम उल्लेखनीय हैं। उन्होंने हमेशा लोगों के जीवन की गुणवत्ता सुधारने और सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने पर ध्यान दिया है। उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन सरकार सुशासन और जनकल्याण के नए मापदंड स्थापित कर रही है। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीघार्यु की कामना करता हूं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुभकामनाएं देते हुए सीएम योगी के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु और मंगलमय जीवन की प्रार्थना की।

राजनाथ ने भी दी बधाई

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा कि उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय एवं कर्मठ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की शुभकामनाएं। उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने सुशासन, सुरक्षा, विकास एवं जनकल्याण के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। उनके दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम के परिणामस्वरूप आज उत्तर प्रदेश प्रगति और समृद्धि के पथ पर तेज गति से अग्रसर है। ईश्वर से प्रार्थना है कि उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु तथा जनसेवा के लिए निरंतर ऊर्जा और शक्ति प्रदान करें।

जन्म दिन क्यों है खास

हाल ही में बीजेपी ने बंगाल में शानदार प्रदर्शन करते हुए सत्ता हासिल की है। जिन जगहों पर योगी ने रैलियां की वहां बीजेपी का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा है। इससे पहले बिहार में भी बीजेपी की जीत के पीछे योगी का फेक्टर भी अहम माना जा रहा है। ऐसे में सीएम योगी की देश भर में छवि चुनावों के बाद से और बेहतर हुई है।

अन्य नेताओं ने भी किए पोस्ट

भाजपा सांसद एवं दिग्गज अभिनेत्री हेमा मालिनी ने सीएम योगी को शुभकामनाएं दीं। भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी के जन्मदिन पर उनके लिए ढेर सारी शुभकामनाएं। मथुरा के सांसद के तौर पर, अपने संसदीय क्षेत्र के विकास के बारे में उनसे बातचीत करना हमेशा सुखद रहता है। वे मेरी जरूरतों को समझते हैं क्योंकि मथुरा के लिए हमारा विजन एक जैसा है और वे हमेशा मदद के लिए तैयार रहते हैं। ईश्वर उन्हें लंबी और स्वस्थ आयु प्रदान करें और वे देश की सेवा में और भी कई वर्ष बिताएं।

विपक्षी दल भी दे रहे बधाई

भाजपा सांसद रवि किशन ने शुभकामनाएं देते हुए सीएम योगी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीघार्यु जीवन की कामना की। यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने लिखा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता योगी आदित्यनाथ को उनके जन्मदिन पर बधाई एवं उनके स्वस्थ्य जीवन व दीघार्यु होने की शुभकामनाएं।

गिलगित-बाल्टिस्तान चुनाव पर भारत की सख्त आपत्ति, दी ऐसी धमकी टेंशन में पाकिस्तान

पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में 7 जून को होने वाले विधानसभा चुनावों पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने साफ कहा है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का पूरा क्षेत्र, जिसमें गिलगित-बाल्टिस्तान भी शामिल है, भारत का अभिन्न हिस्सा है। ऐसे में पाकिस्तान को वहां चुनाव कराने या किसी भी तरह की राजनीतिक प्रक्रिया चलाने का अधिकार नहीं है। भारत का कहना है कि चुनाव कराने से जमीन पर मौजूद वास्तविक स्थिति नहीं बदलेगी।

अब शुभेंदु अधिकारी अपनाएंगे योगी मॉडल! प. बंगाल में यूपी 112 सिस्टम होगा लागू

लखनऊ पहुंचे पुलिस अफसर

(जीएनएस)।

यूपी पुलिस और 112 जैसी इमरजेंसी सेवा अब पश्चिम बंगाल में भी लागू होगी. इसी कड़ी में पश्चिम बंगाल पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों का एक दल उत्तर प्रदेश पुलिस की इमरजेंसी रिस्पांस सर्विस यूपी 112 का अध्ययन करने के लिए लखनऊ पहुंचा. उत्तर प्रदेश की पुलिसिंग व्यवस्था की तारीफ हर राज्य में होती है. इसी को देखते हुए क्राइम कंट्रोल और कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में पश्चिम बंगाल पुलिस अब उत्तर प्रदेश सरकार के मॉडल का अध्ययन कर रही है. इसी कड़ी में पश्चिम बंगाल पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों का एक दल उत्तर प्रदेश पुलिस की इमरजेंसी रिस्पांस सर्विस यूपी 112 का अध्ययन करने के लिए लखनऊ पहुंचा. अधिकारियों ने यूपी 112 मुख्यालय में पहुंचकर इसके केंद्रीकृत सिस्टम को बारीकी से समझा और इसकी कार्यप्रणाली का अध्ययन किया.

जानकारी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल पुलिस में आईजी रैंक के

अधिकारी सुकेश जैन की अगुवाई में चार सदस्यीय टीम यूपी 112 मुख्यालय पहुंची. यहां अधिकारियों ने यह समझने की कोशिश की कि किस प्रकार यूपी 112 का इमरजेंसी रिस्पांस सिस्टम तेजी और प्रभावी तरीके से काम करता है. अधिकारियों को पूरे कंट्रोल रूम के संचालन, तकनीकी सिस्टम और रिस्पांस मैकेनिज्म की जानकारी दी गई.

शिकायत से लेकर समाधान तक जानकारी दर्ज

अधिकारियों ने विशेष रूप से यह जाना कि इमरजेंसी कॉल आने पर किस तरह सेंट्रलाइज्ड सिस्टम के माध्यम से तत्काल कार्रवाई की जाती है. यदि किसी लाइन पर व्यस्तता होती है तो कॉल खुद दूसरी लाइन पर ट्रांसफर हो जाती है. साथ ही कॉलर की लोकेशन और मोबाइल नंबर के आधार पर सबसे नजदीकी यूपी 112 के दोपहिया या चारपहिया वाहन तक सूचना पहुंचाई जाती है. इसके बाद संबंधित घटना का इवेंट तैयार किया जाता है, जिसमें शिकायत से लेकर समाधान तक की पूरी जानकारी दर्ज होती है.

यूपी 112 के अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल पुलिस के प्रतिनिधिमंडल को रिस्पांस टाइम की कार्यप्रणाली भी समझाई. वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश में यूपी 112 का औसत रिस्पांस टाइम करीब 6 मिनट 30 सेकंड बताया जा रहा है, जिसे देश में सबसे बेहतर माना जाता है.

सीएम बोले-कांग्रेस राज में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ता था विकास का पैसा, मोदी सरकार ने रोका करप्शन : सीएम भजनलाल शर्मा

भजनलाल ने कहा कि महिलाओं को सम्मान दिलाने को नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाए पीएम मोदी.

(जीएनएस)।

भीलवाड़ाः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार शाम जिले के खारी का लांबा गांव से वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के प्रदेश स्तरीय समापन समारोह में शामिल हुए. उन्होंने कहा कि केंद्र की पूर्व की कांग्रेस सरकार विकास के लिए 1 रुपए भेजती थी तो धरातल पर 15 पैसे पहुंचते थे. बाकी

के 85 पैसे भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाते थे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भ्रष्टाचार को खत्म कर दिया. आज केंद्र सरकार जितना पैसा भेजती है, उतना आपके खाते में आता है. सीएम ने कहा कि पीएम मोदी महिलाओं को संबल देने को नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाए, लेकिन देश में कुछ महिला विरोधी दल हैं, जो नारी को शक्ति नहीं देना चाहते, लेकिन हमारी सरकार महिलाओं को राजनीति में हक देना चाहती है.

देश में चार जातियां : सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश में चार जातियां हैं महिला, किसान, पशुपालक व मजदूर. उनके लिए केंद्र व राज्य सरकार काम कर रही है. मोदी सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने को नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाई ताकि उनको विधानसभा एवं लोकसभा में आरक्षण मिले, लेकिन कुछ विरोधी हैं, परिवारवादी और जातिवादी पार्टियां नहीं चाहती कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास हो. ऐसे लोगों को सबक सिखाना है. हम चाहते हैं कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास हो और हमारी माता बहनों को 33% आरक्षण मिले. वे लोकसभा एवं विधानसभा में जाएं. सीएम ने लांबा प्रशासक दिव्यानी राठौड़ की ओर इशारा किया और कहा कि यह जिले की सबसे युवा प्रशासक है.

योजनाएं गिनाईः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रात्रि चौपाल में लाभार्थियों को संबोधित किया. उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की योजनाएं गिनाई.

सम्पादकीय

तकनीक के सहारे डिजिटल मज़ाक और कड़वे मीम्स से राजनीति बदलने की मंशा

दिल्ली का कॉन्स्टिट्यूशन क्लब अमूमन गंभीर राजनीतिक बहसों, प्रेस कॉन्फ्रेंस और रवायती नेताओं की सपेद पोशाकों का गवाह बनता रहा है। लेकिन बीते बुधवार को वहां जो कुछ हुआ, उसने भारतीय राजनीति के एक नए और अतरंगे अध्याय की आहट दे दी। तीन पढ़े-लिखे नौजवान मंच पर बैठते हैं और देश के शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग बुलंद करते हैं। यह मांग किसी स्थापित विपक्षी दल की तरफ से नहीं, बल्कि एक ऐसे संगठन की ओर से आती है जिसका नाम 'कॉकरोच जनता पार्टी' है। जो कल तक सोशल मीडिया के टाइमलाइन पर महज एक व्यंग्य, डिजिटल मज़ाक और कड़वे मीम्स का जरिया था, वह अब देश की राजधानी की सड़कों पर उतरने की तैयारी कर रहा है। नीट-यूजी और सीबीएसई जैसी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों ने देश के युवाओं के भीतर जिस कदर हताशा और आव्रोश भरा है, यह आंदोलन उसी की एक उपज है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या सिर्प डिजिटल स्पेस में वायरल होकर या तंज कसकर देश की जमीनी सियासत को बदला जा सकता है? क्या यह भारतीय लोकतंत्र में युवाओं की वास्तविक छटपटाहट है या फिर सोशल मीडिया की चमक-दमक के बीच उपजा एक और अल्पकालिक तमाशा? इस आंदोलन की रीढ़ कहे जाने वाले तीन चेहरे सौरव दास, विजेता दहिया और आशुतोष रांका अपने आप में दिलचस्प पृष्ठभूमि रखते हैं। इनमें कोई स्थापित और मझा हुआ राजनेता नहीं है। एक सजग पत्रकार और सोशल एक्टिविस्ट हैं जो आरटीआई के जरिए सरकारी तंत्र की खामियों को उजागर करते रहे हैं, तो दूसरा ध्रुव राठी जैसे बड़े मंचों के लिए गहरे शोध और सिप्ट लेखन से जुड़ा रहा है। तीसरे चेहरे को देखें तो वे आईआईटी कानपुर और लंदन स्वूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसी वैश्विक संस्थाओं से पढ़कर लौटे पब्लिक पॉलिसी विशेषज्ञ हैं। ये वो युवा हैं जो अंग्रेजी बोलते हैं, इंटरनेट की बारीकियों को समझते हैं और जिनके पास अपनी बात को आधुनिक तरीके से रखने का सलीका है। आगामी 6 जून को जब इस पाटा के संस्थापक अमेरिका से दिल्ली लौटेंगे और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति मांगी जाएगी, तब इस डिजिटल गुस्से की पहली असली परीक्षा जमीन पर होगी। पेपर लीक का मुद्दा निाित रूप से देश के करोड़ों छात्रों और उनके अभिभावकों के भविष्य से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील और गंभीर विषय है। इस मुद्दे पर युवाओं की नाराजगी शत-प्रतिशत जायज है, लेकिन इस नाराजगी को अभिव्यत्त करने के लिए 'कॉकरोच' जैसे प्रतीक और विशुद्ध व्यंग्य का सहारा लेना इस आंदोलन की गंभीरता पर ही सवाल खड़े कर देता है। इतिहास गवाह है कि महज आव्रोश और सोशल मीडिया के एल्गोरिदम से कभी भी स्थायी तब्दीली नहीं आती। डिजिटल दुनिया में किसी पोस्ट का ट्रेंड कर जाना या लाखों लाइक्स मिल जाना व्रांति का पैमाना नहीं हो सकता। कॉकरोच पाटा ने युवाओं के भीतर पनप रहे असली दर्द और बेरोजगारी की कड़वी सच्चाई को बेबाकी से सामने तो रखा है, लेकिन जब बात ठोस और व्यावहारिक एजेंडे की आती है, तो यह संगठन बगलें झांकता नजर आता है। किसी भी लोकतांत्रिक देश को सिर्प चुटवुलों, मीम्स और परफॉर्मेंस के सहारे नहीं चलाया जा सकता। एक वत्त के बाद जनता और वत्त दोनों ही मुश्किल सवाल पूछते हैं। नौकरियां वैसे पैदा होंगी? देश की लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था को सुधारने की क्या योजना है? टैक्स ढांचा, पुलिस सुधार या विदेश नीति पर संगठन की क्या सोच है? इन बुनियादी और जटिल नीतिगत सवालों पर कॉकरोच पाटा के पास फिलहाल कोई ठोस जवाब नहीं है। राजनीति में इस तरह की अस्पष्टता का एक फायदा जरूर होता है कि विचारधारा के स्तर पर मतभेद नहीं होते और हर तरह का असंतुष्ट तबका आपके साथ जुड़ा रहता है, लेकिन जैसे ही आप किसी एक गंभीर मुद्दे पर ठोस स्टैंड लेते हैं, आंतरिक अंर्तविरोध और मतभेद सतह पर आने लगते हैं। इस पूरे नैरेटिव का एक खतरनाक पहलू यह भी है कि यह आंदोलन युवाओं को लगातार नकारात्मकता और व्यवस्था के प्रति घोर निराशा की ओर धकेल सकता है। सत्ता की आलोचना करना और उससे तीखे सवाल पूछना लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन स्वस्थ लोकतंत्र को ऐसे नागरिकों की भी जरूरत होती है जो यह विश्वास रखें कि मौजूदा तंत्र में सुधार मुमकिन है।

ट्रंप के बयान के बाद एक्सपर्ट क्यों कह रहे हैं, 'मोदी से दोस्ती का हवाला देकर भारत पर बना रहे हैं दबाव'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा है कि वर्षों तक भारत अमेरिका का फायदा उठाता रहा है लेकिन अब ठीक उल्टा हो रहा है और अमेरिका भारत से खूब पैसे बना रहा है. ट्रंप का ये बयान 1 जून और 4 जून तक भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर चली बातचीत के बाद आया है. ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं के सवालों के जवाब देते हुए कहा भारत ने अमेरिका पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाया और बदले में कुछ भी नहीं दिया. फि लहाल भारत पर अमेरिका ने दस फीसदी टैरिफ लगा रखा है. एक समय अमेरिका ने भारत पर टैरिफ बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया था. इसके बाद इसे 18 फीसदी और फिर दस फीसदी कर दिया गया था.

ट्रंप ने भारत से ट्रेड डील और टैरिफ पर क्या कहा

मंगलवार को ट्रंप ने भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर चल रही बातचीत पर पूछे सवाल के जवाब में कहा कि वर्षों के टैरिफ विवाद के बावजूद उनके पीएम नरेंद्र मोदी के साथ काफी अच्छे संबंध हैं.

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी अच्छे दोस्त हैं और उम्मीद है कि ये रिश्ता बातचीत (ट्रेड डील) को 'फिनिश लाइन' पार करा देगा.

उन्होंने कहा कि टैरिफ को लेकर दोनों देशों के बीच वर्षों से विवाद चल रहा है लेकिन उन्हें उम्मीद है कि डील हो जाएगी. दरअसल वो भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर चली रही बातचीत की ओर इशारा कर रहे थे.

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भी पिछले दिनों कहा था कि दोनों देशों के बीच ट्रेड डील पर बात अंतिम दौर में है. भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी कहा था कि ट्रेड डील पर बातचीत के सभी पहलुओं को सुलझा लिया गया है.

हालांकि इस बीच, अमेरिका के ट्रेड रिप्रेजेंटिव ने भारत समेत 60 देशों पर 10 से 12.5 फीसदी तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने का प्रस्ताव देकर स्थिति पेचीदा कर दी है.

इन देशों पर जबरन मजदूरी के जरिये बनाए गए सामान को अमेरिका निर्यात करने का आरोप है.

भारत को 12.5 फीसदी वाले अतिरिक्त टैरिफ वाले देशों की सूची में रखा गया है.

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से जब ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा, "अमेरिका की एक टीम 1 जून से 4 जून तक भारत में बातचीत के लिए मौजूद थी. उम्मीद है कि आने वाले दिनों में बातचीत आगे भी जारी रहेगी और जिस अंतरिम व्यापार समझौते पर फिलहाल चर्चा चल रही है, उसे दोनों पक्ष अंतिम रूप दे देंगे.''

लेकिन कांग्रेस ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है.

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्रंप के बयान का हवाला देते हुए लिखा, ''ट्रंप ने एक बार फिर भारत को अपमानित किया है. अगर नाकाम विदेश नीति का कोई चेहरा होता तो ये यही होता.''

भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा,''भारत के ऊंचे टैरिफ केवल अमेरिका के लिए नहीं थे, और न ही अमेरिका के अपेक्षाकृत कम टैरिफ केवल भारत के लिए थे.

''यह धारणा बनाना कि भारत ने अमेरिकी निर्यात पर सिरे से 200 फीसदी टैरिफ लगा रखा था, पूरी तरह भ्रामक है.''

''विडंबना यह है कि ट्रंप मानते हैं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रक्षा के लिए ऊंचे टैरिफ लगाना एक अच्छा उपाय है, लेकिन भारत यदि अपनी अर्थव्यवस्था के कुछ अहम सेक्टरों की सुरक्षा के लिए ऊंचे टैरिफ लगाए, तो उन्हें वह मंजूर नहीं.''

''मोदी को पसंद करने की बात करना भी असल मुद्दे से ध्यान भटकाने वाला बयान लगता है.''

रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञ ब्रह्म चेलानी ने इस मामले पर टिप्पणी करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, '' एक बार फिर ट्रंप ने भारत पर दबाव बनाने को सही ठहराने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी दोस्ती का हवाला दिया.''

वहीं पूर्व राजनयिक केसी सिंह ने एक्स पर लिखा, ''ट्रंप के साथ दिक्कत यही है. एक तरफ वह मोदी को अपना दोस्त बताते हैं, दूसरी तरफ भारत पर दबाव बनाकर उससे अधिकतम लाभ लेने की बात करते हैं. ऐसे में सवाल उठता है कि क्या यह सच्ची मित्रता है या फिर सिर्फ. एक बेहद स्वार्थी और सौदेबाज राजनीति को ढंकने का तरीका?''

भारत और अमेरिका की बीच ट्रेड डील को लेकर 1 से 4 जून के बीच बातचीत हो चुकी.अमेरिका की ओर से मुख्य वातार्कार थे ब्रैन्डन लिंच.

इस बातचीत के बाद ट्रंप ने खुद कहा था कि भारत और अमेरिका डील फाइनल करने के बेहद करीब है.

भारत की ओर से भी बातचीत पर संतोष जताया गया और कहा गया कि समझौता होने के बेहद करीब है.

लेकिन अमेरिकी टीम के दिल्ली में रहते ही अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने 60 देशों पर नए टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया. अमेरिका ने कहा कि जबरदस्ती मजदूरी कराने के आरोप में इन देशों पर ये अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा.

भारत उन देशों में शामिल है, जिन पर 12.5 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया गया है. एक समय में अमेरिका ने भारत पर सीधे 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया था. लेकिन इस साल फरवरी में इसे घटाकर 18 फीसदी कर दिया गया. लेकिन अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट की ओर एकतरफा टैरिफ लगाने के ट्रंप के फैसले को खारिज किए जाने के बाद इसे घटाकर दस फीसदी कर दिया गया था. दरअसल फरवरी में भारत ने 500 अरब डॉलर की ऊर्जा, एयरक्राफ्ट, टेक्नोलॉजी और एग्रीकल्चर प्रोडक्ट खरीदने का वादा किया था. इसके बाद ही ट्रंप प्रशासन ने भारत पर टैरिफ घटा कर दस फीसदी किया था.

पीएम नेहरू से लेकर पीएम मोदी के युग तक, कैसे बदली भारत की ग्लोबल पहचान

(जीएनएस)।

आजादी से लेकर अभी तक भारत ने विकास के कई प्रतिमान गढ़े हैं. सन 1947 में जब देश को स् वतंत्रता मिली थी, तब भारत को सपेरों का देश कहा जाता था. 21वीं सदी में भारत कं यूटर टेक नोलॉजी का बेताज बादशाह है. सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में भारतीय टैलेंट का लोहा पूरी दुनिया मानती है. पिछले सात से आठ दशकों में भारत ने लंबा सफर तय किया है. 10 जून 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड पीछे छोड़ते हुए भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित प्रधानमंत्री बन जाएंगे. यह उपलब्धि केवल राजनीतिक इतिहास का एक नया अध्याय नहीं है, बल्कि स्वतंत्रता के बाद से भारत की शासन व्यवस्था,

विकास मॉडल और वैश्विक पहचान में आए व्यापक बदलाव का भी प्रतीक मानी जा रही है.

स्वतंत्रता के बाद नेहरू युग में भारत ने विकास का रास्ता केंद्रीय योजना, सार्वजनिक क्षेत्र के विस्तार और बड़े बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के माध्यम से चुना. उस दौर में राज्य की भूमिका विकास की धुरी थी और गरीबी उन्मूलन तथा औद्योगिकीकरण के लिए सरकारी संस्थानों पर विशेष जोर दिया गया. हालांकि, समय के साथ कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में नौकरशाही जटिलताओं, संसाधनों की लीकेज और लाभार्थियों तक सहायता पहुंचाने में देरी जैसी चुनौतियां भी सामने आईं.

एक दशक में बड़ा बदलाव

पिछले एक दशक में भारत के प्रशासनिक मॉडल में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिला है. केंद्र सरकार ने तकनीक आधारित शासन व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए कल्याणकारी योजनाओं की डिलीवरी को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ दिया. इस बदलाव का प्रमुख आधार जनधन खाते, आधार और मोबाइल फोन पर आधारित खअट (जनधन-आधार-मोबाइल) ढांचा तथा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (उ्हळ) प्रणाली रही है. इसके माध्यम से सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जाने लगी, जिससे बिचौलियों की भूमिका कम हुई और पारदर्शिता बढ़ी.

सरकार का दावा है कि डिजिटल टेक्नोलॉजी के उपयोग से कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से आम नागरिकों तक पहुंचा है. ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में आवास, शौचालय, स्वच्छ रसोई गैस और नल से जल जैसी सुविधाओं के विस्तार को इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है. नीति निमार्ताओं का तर्क है कि ऐसी परिसंपत्तियां गरीब परिवारों को बुनियादी सुरक्षा प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद करती हैं.

ग्लोबल इमेज में भी बदलाव

घरेलू स्तर पर यह परिवर्तन भारत की वैश्विक छवि में आए बदलाव के साथ भी जुड़ा हुआ है. प्रधानमंत्री मोदी ने कई अवसरों पर कहा है कि दुनिया कभी भारत को स्नेक चार्मर्स यानी सपेरों के देश के रूप में देखती थी, लेकिन आज भारत माउस चार्मर्स यानी कंप्यूटर माउस और डिजिटल तकनीक से दुनिया को प्रभावित करने वाले देश के रूप में उभर रहा है. यह टिप्पणी भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था, टेक नोलॉजिकल इनोवेशन और डिजिटल पेमेंट सिस टम की सफलता को रेखांकित करती है.

बदलती प्राथमिकताएं

विशेषज्ञों का मानना है कि नेहरू से मोदी तक का यह सफर केवल दो प्रधानमंत्रियों की कार्यशैली का अंतर नहीं, बल्कि बदलती राष्ट्रीय प्राथमिकताओं का भी प्रतिबिंब है. जहां शुरूआती दशकों में राज्य-नियंत्रित विकास मॉडल प्रमुख था, वहीं आज तकनीक संचालित और प्रत्यक्ष लाभ वितरण आधारित शासन व्यवस्था को नई दिशा के रूप में देखा जा रहा है. प्रधानमंत्री मोदी के रिकॉर्ड कार्यकाल के साथ भारत की यह प्रशासनिक और सामाजिक यात्रा एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुंच गई है.

भारत और अफगानिस्तान वनडे मुकाबले की तैयारी तेज, 15 को आएंगी टीमें

भारत और अफगानिस्तान के बीच 17 जून को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में होने वाले दूसरे वनडे मैच की तैयारियां तेज हो गई हैं।

(जीएनएस)।

लखनऊ। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला 17 जून को अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच को लेकर उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

गुरुवार को आयोजित प्रेसवार्ता में यूपीसीए के सचिव प्रेम मनोहर गुप्ता ने बताया कि मुकाबले के आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। भारत और अफगानिस्तान की टीम धर्मशाला में पहला वनडे खेलने के बाद 15 जून की शाम तक लखनऊ पहुंचेंगी। दोनों टीमें 16 जून को इकाना स्टेडियम में अभ्यास सत्र में हिस्सा लेंगी।

यूपीसीए के कोषाध्यक्ष सचिन आनंद शुक्ला ने बताया कि जून की भीषण गर्मी को देखते हुए दर्शकों की

सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। स्टेडियम परिसर में आने वाले दर्शकों को मुफ्त पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि उन्हें गर्मी के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

इस मुकाबले के लिए टिकटों की शुरूआती कीमत 599 रुपये निर्धारित की गई है, जबकि हास्पिटैलिटी श्रेणी के टिकट पांच हजार रुपये से लेकर 25000 रुपये तक उपलब्ध होंगे। टिकटों की कीमत मांग और उपलब्धता के आधार पर परिवर्तित हो सकती है।

उन्होंने बताया कि सात या आठ जून से स्टेडियम परिसर में आफलाइन काउंटर पर टिकटों की बिक्री शुरू होगी। इस मौके पर यूपीसीए के मीडिया मैनेजर मोहम्मद फहीम भी मौजूद रहे।

किंग कोहली के न आने से निराशा

विराट कोहली चोट के चलते भारत और अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। इस खबर से किंग कोहली के प्रशंसकों ही नहीं, बल्कि युवा क्रिकेटरों में भी निराशा है। लखनऊ के युवा क्रिकेटर अंश यादव कहते हैं, मेरे साथ हजारों लोग विराट को इकाना में खेलते देखने का इंतजार था। हाल ही में आइपीएल में उनका शानदार प्रदर्शन रहा था और प्रशंसकों को उम्मीद थी कि वह इस सीरीज में खेलने लखनऊ जरूर आएंगे। मैंने अभी तक कोहली के सभी अंतरराष्ट्रीय मैच देखा है। वह मेरे पसंदीदा खिलाड़ी हैं। हालांकि, रोहित शर्मा भारतीय टीम का हिस्सा होंगे।

किसी फिल्म के सेट से कम नहीं है मशहूर यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 के विनर एल्विश यादव का नया घर, सजा रखा है बड़ा-सा देसी हुक्का

(जीएनएस)।

मशहूर यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 के विनर एल्विश यादव अभी के वक्त में किसी भी पहचान के मोहताज नहीं है और आपको बता दें कि वह एक लग्जरियस लाइफ जीते हैं। लेकिन फैन्स काफी वक्त से उनके गुड़गांव में बने नए आलीशान लग्जरी घर को देखने के लिए बेताब है। अब हाल ही में खुद एल्विश यादव ने अपने घर का टूर करवा दिया है।

एल्विश यादव का गुड़गांव वाला घर किसी राजमहल से काम नहीं है। होम टूर के दौरान उन्होंने बताया कि बचपन से ही उनका एक सपना था कि जब भी वह अपना खुद का घर बनवाएंगे तो टीवी सीरियल में दिखने वाले बड़े और आलीशान बंगले जैसा होगा।

एल्विश यादव का ड्रीम हाउस

एल्विश यादव का यह ड्रीम होम

अब पूरी तरीके से तैयार हो चुका है और सोशल मीडिया पर भी इसकी तस्वीरें खूब वायरल हो रही हैं। नयन दीप रक्षित को हाल ही में उन्होंने अपना हाउस टूर करवाया है। तो चलिए देखते हैं कि एल्विश यादव के इस सपनों के घर की अंदर की झलक कैसी है।

एल्विश यादव के घर का बाहर का नजारा काफी बेहतरीन है और यह कोई साधारण बंगला नहीं है बल्कि एक आलीशान चार मंजिला की इमारत है। होम टूर के वक्त उन्होंने बताया कि उनके इस आलीशान घर को बनाने के लिए 4 साल से ज्यादा का वक्त लग गया।

घर का सबसे खूबसूरत हिस्सा घर के बीचो-बीच बनी हुई सीढ़ियां है। जो किसी पुराने राजमहल या फिर बड़े फिल्मी सेट से काम नहीं लगती है। यह मार्बल से बनी हुई है और पीछे की दीवार पर टेक्सचर वर्क बहुत ही ज्यादा सुंदर है।

घर का लिविंग रूम भी है काफी खूबसूरत

एल्विश यादव के घर में लिविंग रूम भी काफी खूबसूरत है और यहां पर ग्रे टोन का बेहद ही आरामदायक और आलीशान सोफा भी लगाया हुआ है। बीच में रखी हुई व्हाइट मार्बल फिनिश वाली गोल सेंटर टेबल और बैकग्राउंड की दीवारों पर लगी हुई वार्म लाइट्स काफी ज्यादा इसको सुंदर बना देती हैं।

घर में लगा हुआ है बड़ा सा हुक्का

मॉडर्न और वेस्टर्न इंटीरियर के बीच एल्विश यादव ने अपने देसी अंदाज को नहीं छोड़ा और घर में बड़े साइज का देसी हुक्का भी सजा कर रखा हुआ है। जो घर में हरियाणवी टच देता है।

बेडरूम लगता है फाइव स्टार होटल जैसा

बेडरूम की बात करें तो यह भी किसी फाइव स्टार होटल की तरह लगता है। कमरे में किंग साइज बेड लगा हुआ है और इसके पीछे दीवार पर ग्रे और गोल्डन लाइटिंग का बहुत ही बेहतरीन कॉन्बिनेशन देखने के लिए मिलता है।

संगमरमर से बनाया मंदिर

घर के मंदिर की बात करें तो यह भी काफी सुंदर है और इसको सफेद संगमरमर से बहुत ही खूबसूरत तरीके से बनाया गया है। मंदिर के दोनों तरफ इनडोर प्लांट्स भी लगे हुए हैं।

'अल्फा एक बेहद कूल एक्शन फिल्म और पूरी तरह एंटरटेनर है!'- बॉबी देओल

(जीएनएस)।

यश राज फिल्म्स की 'अल्फा', जिसमें आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में हैं, को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे बॉबी देओल ने फिल्म की जमकर तारीफ करते हुए इसे एक स्टाइलिश, हाई-एनर्जी मसाला एंटरटेनर बताया है, जो दर्शकों को सिनेमाघरों में वही अनुभव देगी जिसकी वे उम्मीद करते हैं।

फिल्म की यात्रा का हिस्सा रहे बॉबी का कहना है कि 'अल्फा' अपने आत्मविश्वास, भव्यता और शुरूआत से अंत तक दर्शकों को बांधे रखने की क्षमता के कारण अलग नजर आती है।

फिल्म को एक बेहद कूल एक्शन फिल्म और संपूर्ण मनोरंजन पैकेज बताते हुए बॉबी कहते हैं, ''मुझे इस फिल्म की सबसे अच्छी बात यह लगी कि इसे पूरी तरह पता है कि यह क्या बनना चाहती है - एक ऐसी फिल्म जो दर्शकों को सिनेमाघरों में मजेदार और रोमांचक अनुभव दे। मैं हर दिन शूटिंग पर जाने के लिए उत्साहित रहता था क्योंकि सेट पर हमेशा कुछ न कुछ दिलचस्प और रोमांचक होता था।''

बॉबी का मानना है कि फिल्म के

सेट पर मौजूद सहयोगात्मक और सकारात्मक माहौल ने इस अनुभव को और भी खास बना दिया। उनके अनुसार कलाकारों और तकनीकी टीम के बीच की आत्मीयता और गर्मजोशी हर दिन महसूस होती थी, जिससे शूटिंग का अनुभव उतना ही आनंददायक बन गया जितना यह फिल्म दर्शकों के लिए होने वाली है।

निर्देशक शिव रवैल के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए बॉबी कहते हैं, ''सेट का माहौल बेहद सकारात्मक था और इसका पूरा श्रेय मैं शिव रवैल को देना चाहूंगा। एक अभिनेता के तौर पर ऐसे निर्देशक के साथ काम करना प्रेरणादायक होता है, जिसे अपने विजन और उस दुनिया के बारे में पूरी स्पष्टता हो जिसे वह पर्दे पर रचना चाहता है। उन्होंने कुछ ऐसा बनाया है जो ताजा और अलग महसूस होता है, और उस सफर का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा।'' वह आगे कहते हैं,''आलिया और शर्वरी को एक बड़े एक्शन स्पेक्टेकल के केंद्र में देखना भी बेहद रोमांचक था। दोनों ने अपने किरदारों के लिए जबरदस्त समर्पण और एनर्जी दिखाई, जिसने इस प्रोजेक्ट पर काम करने के अनुभव को और भी खास बना दिया।''

बॉबी अंत में कहते हैं,''मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं कि दर्शक 'अल्फा' का अनुभव करें और मुझे उम्मीद है कि वे इस फिल्म को भरपूर प्यार देंगे।'' शिव रवैल के निर्देशन और यश राज फिल्म्स के निर्माण में बनी 'अल्फा' में शर्वरी भी मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 3 जुलाई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

त्रिधा चौधरी आज के समय में किसी भी पहचान की मोहताज नहीं, अच्छी खासी फैन फॉलोइंग हासिल की

(जीएनएस)।: त्रिधा चौधरी आज के समय में किसी भी पहचान की मोहताज नहीं है और आपको बता दें कि उन्होंने सिर्फ बॉलीवुड में ही नहीं बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म की दुनिया में भी एक अच्छी खासी फैन फॉलोइंग हासिल की है। 22 नवंबर 1989 में कोलकाता में उनका जन्म हुआ और वहीं से उन्होंने पढ़ाई पूरी की।

त्रिधा चौधरी ने माइक्रोबायोलॉजी में ग्रेजुएशन किया हुआ है और कॉलेज के ही दिनों से वह फिल्म इंडस्ट्री में काफी दिलचस्पी रखती थी तो उन्होंने मॉडलिंग में अपनी किस्मत आजमाई। लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि वह कभी डॉक्टर बनना चाहती थी। लेकिन उनकी किस्मत उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में ले आई।

मॉडलिंग में आजमाई किस्मत

त्रिधा चौधरी ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरूआत कर दी थी और इसके बाद में धीरे-धीरे उन्होंने एक्टिंग की तरफ रुख किया। साल 2011 में उन्होंने टाइम्स आफ इंडिया फ्रेश फेस

से अपनी एक खास पहचान बनाई।

बंगाली फिल्मों से की शुरूआत

साल 2013 में अभिनेत्री ने श्रीजीत मुखर्जी की बंगाली फिल्म 'मिश्र रहस्य' से एक्टिंग इंडस्ट्री में डेब्यू कर लिया था। इसके बाद में वह बैक टू बैक कई सारी बंगाली फिल्मों में भी नजर आई। लेकिन साल 2015 में त्रिधा चौधरी ने तेलुगु फिल्मों में कदम रख दिया था और वह फिल्म में निखिल सिद्धार्थ के साथ में नजर

टीवी शोज में भी आई नजर

त्रिधा चौधरी साल 2016 में सीरियल दहलीज में भी नजर आई थी। इसके बाद इस सीरियल को काफी ज्यादा पसंद भी किया गया था। हालांकि यह शो लंबे वक्त तक टिक नहीं पाया और इसके बाद अभिनेत्री ने भी टीवी इंडस्ट्री से दूरी बना ली थी।

बॉबी देओल के साथ दिए इंटीमेट सीन

त्रिधा चौधरी इसके बाद में स्पॉटलाइट, शेई जे होलुद पाखी, दुल्हा वांटेड, आश्रम और बंदिश बैंडिट्स जैसी वेब सीरीज में भी नजर आई। लेकिन आपको बता दें कि वेब सीरीज आश्रम से उन्होंने एक खास पहचान हासिल की जिसमें उन्होंने बॉबी देओल के साथ कई सेंसेशनल सीन भी दिए। अपने से 24 साल बड़े एक्टर के साथ इंटीमेट सीन देकर वह

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

'जनता कांग्रेस से नाराज, इसलिए कर्नाटक में सीएम बदला', पीएम मोदी का विपक्ष पर वार

(जीएनएस)।

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार पिफर कांग्रेस की राजनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश में निराशावादी लोग आत्मनिर्भर भारत का मजाक बना रहे हैं। कांग्रेस अराजकता, अनिश्चितता फैलाकर उसमें अपने लिए सत्ता में आने का अवसर देख रही है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस शासित राज्यों में लोग उसके कुशासन से परेशान हैं, इसीलिए कर्नाटक में मुख्यमंत्री को बदलना पडा। उन्होंने वैश्विक संकट की याद दिलाते हुए कहा कि पूरी दुनिया ऊॅर्जा संकट के कारण अस्त व्यस्त हैं।

दक्षिण गुजरात में 7 विविध जिलों में 18778 करोड रु के विकास कार्यों के उद्घाटन एवं शिलान्यास के बाद सूरत के इंडोर स्टेडियम में आयोजित जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने विरोधियों को आडे हाथ लिया। मोदी ने कहा कांग्रेस आज भी निराशावादी राजनीति कर रही है। भारत को दुनिया के देशों पर निर्भर रखने वाले आज भी देश के आत्मनिर्भरता के संकल्प की उपेक्षा व उपहास कर रहे हैं।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस देश में अराजकता व अनिश्चितता उत्पन्न कर अपने लिए अवसर ढूंढ रही है, लेकिन देश की जनता अब इससे आगे निकल चुकी है। पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया के जिन देशों में भी गया वहां बंगाल में भाजपा की जीत की चर्चा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस व नेता विपक्ष राहुल गांधी के अराजकता भरे बयान व दावों पर पलटवार करते हुए कहा कि देश की जनता अब इनको भांप चुकी है, इसलिए हर चुनाव में भाजपा को समर्थन देते जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि गुजरात समेत देश की जनता ने कांग्रेस को हाशिए पर धकेल दिया है, जहां भी उनकी सरकार है लोग उनके कुशासन से परेशान हैं। हिमाचल प्रदेश के निकाय चुनाव में लोगों ने भाजपा का समर्थन किया, पंजाब भी अब कांग्रेस से किनारा कर रहा है और कर्नाटक में भी कांग्रेस के खिलाफ आक्रोश पनप रहा है इसलिए मुख्यमंत्री को बदलना पड़ा।

ध्यान रहे कि हाल ही कांग्रेस ने कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद से सिद्दारमैया को इस्तीफा दिलाकर डी के शिवकुमार को पद सौंपा है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी दूरदर्शिता से गुजरात को जल संकट से मुक्त कर हरियाला बनाने का काम किया।

एक पेड़ मां के नाम

एक पेड़ मां के नाम से प्रेरणा लेकर गुजरात में ऑक्सीजन पार्क बनाये। धोलेरा जैसे क्षारीय इलाके में ड्रम की मदद से 3200 पेड उगाकर क्षैत्र को हरियाला बना दिया। उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने पीएम मोदी की उपलब्धियों की सूची गिनाते हुए कहा कि भारत, गुजरात व सूरत मोदी के दिल में धडकते हैं। मोदी ने देश के गरीब व मध्यम वर्ग के लोगों की भलाई के लिए अनेक योजनाएं चलाई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दशक दुनिया के लिए आपदा का दशक है, हमने कई आपदाएं देखी, पहले कोरोना आया, पिफर युद्ध शुरू हो गये और अब ऊर्जा संकट आ गया। तेल व गैस की सप्लाई बाधित होने से अफरातफरी मची है इस बात की खुशी है कि 140 की जनसंख्या वाला यह देश ऊर्जा संकट का मुकाबला कर रहा है।

कई परियोजनाओं का उद्घाटन

मोदी ने कहा कि आज वडोदरा - मुंबई एक्सप्रेस वे के बडे हिस्से का उद्घाटन हुआ, इसके अलावा डेडिकेटेड फ्रैट कॉरीडोर, बुलैट ट्रेन भारत की प्राथमिकता वाले प्रोजेक्ट हैं। उनहोंने कहा विकसित भारत विकसित गुजरात का संकल्प तभी साकार होगा जब हमारे गांव व शहर विकसित होंगे।

आज विश्व पर्यारवरण दिवस, इस दिन सबसे स्वच्छ शहरों में से एक सूरत में हूं, यही शहर एक दिन प्लेग जैसी महामारी से पीडित था लेकिन आज स्वच्छता के लिए जाना जाता है। इसमें अधिकारी जनप्रतिनिधि व नागरिकों का सबका योगदान है।

ग्रीन ग्रोथ की ओर बढ़ रही दुनिया: पीएम

दुनिया अब ग्रीन ग्रोथ की ओर आगे बढ रही है, भारत ने भी ग्रीन ग्रोथ पर काफी ध्यान दिया है। गुजरात ने शताब्दी की शुरूआत में ही एक अलग क्लाइमेट चेंज विभाग की स्थापना कर दी थी। उत्तर गुजरात के चारणका में देश का पहला सबसे बडा सौलर पार्क बना। ध्यान रहे कि ये दोनों प्रोजेक्ट गुजरात में मोदी के मुख्यमंत्री रहते हुए शुरू थे।

उन्होंने बताया कि पहले मेगावाट की बात होती थी लेकिन आज गुजरात 200 गीगावाट ऊर्जा का उत्पादन कर रहा है, देश के विकास में इसका बडा योगदान है। सौर ऊर्जा के उत्पादन के साथ अब गुजरात ग्रीन हाइड्रोजन के उतपादन में भी बडी उपलब्धी हासिल कर रहा है।

बीते 12 वर्ष में देश ने अपनी ऊर्जा उत्पादन में अपनी क्षमता को बढाया, पहले सौर ऊर्जा का उत्पादन नाम मात्र का आज टॉप 5 देशों में एक हैं। हमने भारत में इथेनॉल उत्पादन की शक्ति बढाई, बिजली के पूराने सिस्टम का आधुनिकीकरण करने के साथ गैस वितरण की पाइप लाइन को बढाया। हजीरा जाने पर आत्मनिर्भर होने का आभास होता है, यह केवल ऊर्जा उत्पाउन का क्षैत्र ही नहीं एनर्जी, स्टील, डिफेंस प्रोडक्ट के उत्पादन, बंदरगाह के साथ ग्लोबल ईकोसिस्टम बनाता है।

हर्षभाई ने आज सेंचुरी लगा दी

सूरत के इंडोर स्टेडियम में चंद मिनटों में उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने बहुत कम शब्दों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से देश में किये गये विकास कार्य तथा गुजरात व देश की जनता की भलाई के कामों का बखान किया तो मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपने भाषण से पहले कहा कि हर्ष भाई ने तो आज सेंचूरी लगा दी।

श्रावस्ती को सीएम योगी की सौगात: केन नाला जैव विविधता विरासत स्थल घोषित, पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

(जीएनएस)।

श्रावस्ती, यूपी के श्रावस्ती में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुलरा स्थित केन नाला को जैव विविधता विरासत स्थल घोषित करने का ऐलान किया। यह घोषणा उन्होंने शुक्रवार को बलरामपुर में विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान की। इस घोषणा से जिले में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

भिनगा आरक्षित वन क्षेत्र में स्थित 452.88 हेक्टेयर वन क्षेत्र में फैले केन नाला का 80 हेक्टेयर क्षेत्र अब जैव विविधता विरासत स्थल के रूप में जाना जाएगा। मीठे और स्वच्छ जल के एक अद्वितीय पारिस्थितिक तंत्र के रूप में प्रसिद्ध केन नाले की प्रमुख वनस्पति फ्रेश वाटर मैंग्रोव

बैरिंगटोनिया एक्यूटेंगुला है, जिसे स्थानीय रूप से इंजड़ कहते हैं।

घोषणा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रावस्ती भगवान राम के पुत्र लव द्वारा बसाई गई नगरी है। यहां भगवान बुद्ध ने सर्वाधिक चतुर्मास व्यतीत किए थे और यह जैन परंपरा से भी जुड़ी तीर्थस्थली है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए श्रावस्ती को विकसित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि केन नाला विभिन्न स्थलीय और जलीय जीवों का प्राकृतिक आवास है। यहां वन्य जीव, पशु और पक्षी भी निवास करते हैं। यह क्षेत्र पक्षियों के ऋतु प्रवास के लिए भी महत्वपूर्ण है। यहां औषधीय पौधों की कई प्रजातियां भी पाई जाती हैं। यह स्थल वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क में शामिल नहीं है।

लखनऊ में फंदे पर लटका मिला युवक, इंस्टाग्राम पर लिखा- 'मुझे अपने साथ ले लो, यहां अपना कोई नहीं

(जीएनएस)।

लखनऊ, पुलिस की छानबीन में पता चला कि विकास ने आत्महत्या करने से 24 घंटे पहले हाथ से बने स्केच के साथ 'मुझे अपने साथ ले लो, यहां अपना कोई नहीं' लिखकर पोस्ट किया था।

विकास के पिता विनीत कुमार ने बताया कि वह और विकास एक प्राइवेट अस्पताल में काम करते थे। रोज की तरह बृहस्पतिवार रात वह ड्यूटी पर अस्पताल चले गए। घर पर बेटा अकेला था। शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे मकान में रहने वाले एक किरायेदार ने बरामदे में लगे पंखे से गमछे के सहारे विकास का शव लटका देखा।

किरायेदार ने इसकी सूचना विनीत और पुलिस को दी। खबर पाकर पिता और पुलिस मौके पर पहुंच गए। इंस्पेक्टर मोहनलालगंज बृजेश त्रिपाठी ने बताया कि छानबीन के दौरान न तो कोई सुसाइड नोट मिला और न ही आत्महत्या की वजह का पता चल सका। परिजनों ने भी किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है।

24 घंटे पहले इंस्टाग्राम पर किया था पोस्ट

पुलिस की छानबीन में पता चला कि विकास ने आत्महत्या करने से 24 घंटे पहले हाथ से बने स्केच के साथ 'मुझे अपने साथ ले लो, यहां अपना कोई नहीं' लिखकर पोस्ट किया था। स्केच पर 'अनामिका' नाम भी लिखा था। पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी पत्नी की दो साल पहले बीमारी से मौत हो चुकी है। बेटी ज्योति ननिहाल में रहती है।

यूपी को वैश्विक पर्यटन केंद्र बनाने पर जोर, सीएम योगी ने की नई परियोजनाओं की समीक्षा

(जीएनएस)।

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्यटन, विरासत संरक्षण और ज्ञान भारतम् मिशन की समीक्षा की. उन्होंने पर्यटन को रोजगार, निवेश और सांस्कृतिक पुनर्जागरण से जोड़ने पर जोर दिया.

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि यूपी सिर्फ आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक परंपरा और ज्ञान विरासत का प्रतिनिधि प्रदेश है. पर्यटन विकास को केवल आधारभूत संरचना निर्माण तक सीमित न रखते हुए उसे सांस्कृतिक पुनर्जागरण, स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और वैश्विक पहचान से जोड़कर आगे बढ़ाया जाना चाहिए. गुरुवार को पर्यटन विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि सूबे की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को नई गति देने में पर्यटन की अहम भूमिका है. पर्यटन विकास के जरिए स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, पारंपरिक कला, खानपान, संस्कृति और सेवा क्षेत्र को भी व्यापक अवसर प्राप्त होंगे.

भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण से जुड़े ज्ञान भारतम् मिशन की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की प्राचीन पांडुलिपियां हमारी सभ्यता, दर्शन, विज्ञान और सांस्कृतिक चेतना की अमूल्य धरोहर हैं. इनका संरक्षण और डिजिटलीकरण सिर्फ अभिलेखीकरण का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का माध्यम है.

मीटिंग में अब तक 13 लाख 70 हजार से ज्यादा पांडुलिपियों के सर्वेक्षण, डिजिटलीकरण और संरक्षण की प्रगति की जानकारी दी गई.

पर्यटन नीति-2022 में प्रस्तावित संशोधनों की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को निवेश, नवाचार और अनुभव आधारित पर्यटन का अग्रणी केंद्र बनाया जाए. बैठक में नीम करोली बाबा सर्किट और बुंदेलखंड फोर्ट सर्किट के रूप में नए क्षेत्रों के विकास पर चर्चा हुई. इसके साथ ही, 'परंपरा' विरासत अनुभव केंद्र, कृषि पर्यटन और वाइनयार्ड पर्यटन जैसी नई अवधारणाओं को बढ़ावा देने पर भी विचार-विमर्श किया गया. मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन नीति ऐसी हो, जो निवेश आकर्षित करे, रोजगार बढ़ाए और पर्यटकों को विशिष्ट अनुभव प्रदान करे.

मुख्यमंत्री ने लखनऊ में नव लोकार्पित 'नौसेना शौर्य वाटिका' और निर्माणाधीन आईएनएस गोमती शौर्य संग्रहालय की समीक्षा करते हुए कहा कि यह परियोजना राष्ट्रभक्ति, सैन्य गौरव और भारत की समुद्री विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी.

उन्होंने कहा कि इसका संचालन लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाना चाहिए. बैठक में बताया गया कि निर्माणाधीन आईएनएस गोमती शौर्य संग्रहालय में भारतीय नौसेना के गौरवशाली इतिहास, समुद्री शक्ति, नौसैनिक अभियानों, आईएनएस गोमती की यात्रा, नौवहन परंपरा और भारत की समुद्री विरासत को आधुनिक तकनीक, इंटरैक्टिव गैलरियों, सिम्युलेटर, युवा कैडेट एरीना और विविध अनुभवात्मक प्रदर्शनों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा.

पीएम मोदी 10 जून को सभी प्रधानमंत्रियों का रिकॉर्ड तोड़ देंगे, बीजेपी बोली, 'नरेंद्र मोदी ऐसा रिकॉर्ड बनाएंगे जो कभी नहीं टूटेगा'

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 जून को पंडित जवाहरलाल नेहरू का सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड तोड़ देंगे. शाहनवाज हुसैन ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी ने न सिर्फ नेहरू जी का रिकॉर्ड तोड़ेंगे, बल्कि इससे पहले राजीव गांधी और इंदिरा गांधी के रिकॉर्ड भी तोड़ चुके हैं.

बीजेपी नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा, "नेहरू-गांधी परिवार के सभी प्रधानमंत्रियों के रिकॉर्ड पीएम मोदी तोड़ चुके हैं." उन्होंने आगे कहा कि 10 जून को मोदी देश के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्री बन जाएंगे.

वहीं टीएमसी पर हमला बोलते हुए भाजपा नेता ने कहा कि टीएमसी टूटकर बिखर रही और आगे आगे देखिए होता है क्या. पश्चिम बंगाल की राजनीति और तृणमूल कांग्रेस पर बोलते हुए शाहनवाज ने कहा, "टीएमसी का मतलब था कांग्रेस को तोड़कर टीएमसी बनाना, लेकिन अब ममता बनर्जी इंडिया गठबंधन की बात करने लगी हैं. आखिर क्ठउक्क्ञ गठबंधन है कहां. इसका कोई संयोजक बना क्या.. इसका कोई दफ्तर है क्या.

उन्होंने कहा कि, जब कोई पार्टी हार जाती है तो ममता क्ठउक्क्ञ गठबंधन की बात करने लगती है, लेकिन जब सत्ता में होती है तो इसकी बैठक में भी नहीं आतीं." वहीं, तमिलनाडु की राजनीति पर पर बोलते हुए द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम के बारे में उन्होंने कहा कि डीएमके अब कांग्रेस से पूरी तरह अलग हो चुकी है. संसद में भी उन्होंने अपनी अलग सीट की मांग कर दी है. उन्होंने कहा कि, डीएमके अब कांग्रेस के खेमे में बैठना नहीं चाहती है.

राज्यसभा में डीएमके की सीटिंग बदलेगी

लोकसभा के बाद अब राज्यसभा में भी डीएमके ने अपनी सीटिंग अरैंजमेंट बदलने की मांग तेज कर दी है. सरकार के सूत्रों के मुताबिक, डीएमके की भावनाओं को राज्यसभा सभापति के पास भेज दिया गया है. वर्तमान में डीएमके कांग्रेस के बगल में पहले विपक्षी ब्लॉक में बैठती है.

प्रस्तावित बदलाव के तहत डीएमके को दूसरे ब्लॉक में शिफ्ट किया जा सकता है, जहां अन्य विपक्षी और तटस्थ पार्टियों के नेता बैठते हैं. डीएमके नेता कनिमोझी ने 7 मई को राज्यसभा सभापति को पत्र लिखकर यह मांग की थी.

इस सवाल पर की क्या, मानसून सत्र में बड़ा खेल होनेवाला है. क्या आने वाले मानसून सत्र में राजनीतिक समीकरण बदलने वाले हैं. इस पर शाहनवाज हुसैन ने कहा, "अभी तो शुरूआत है. टीएमसी टूटकर बिखर रही है, डीएमके कांग्रेस के साथ दिखना नहीं चाहती. उन्होंने कहा कि, आगे-आगे देखिए होता है क्या.

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शकूरबस्ती डिपो का किया निरीक्षण, कर्मचारियों से सीधा संवाद कर जानी समस्याएं

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शकूर बस्ती अनुभाग और डिपो का दौरा किया, उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की और चल रही विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कर्मचारियों की चिंताओं को मौके पर ही संबोधित किया, शीघ्र समाधान और बेहतर यात्री सेवाओं, सुरक्षा और रेल बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण पर जोर दिया।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को उत्तर रेलवे के तिलक ब्रिज से शकूरबस्ती रेल सेक्शन का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर क्षेत्र में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं और प्रगति कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान रेल मंत्री ने शकूरबस्ती डिपो में कार्यरत कर्मचारियों, मेंटेनेंस स्टाफ और अन्य रेलकर्मियों से सीधे संवाद किया।

लखनऊ गैंगरेपः ऑटो से भाग रहे उपदेश लोधी उर्फ गहना का एनकाउंटर, जवाबी फायरिंग में लगी गोली, हाथ जोड़कर मांगने लगा माफी

लखनऊ पुलिस ने मॉल कर्मी से सामूहिक दुष्कर्म के मुख्य आरोपी उपदेश लोधी उर्फ गहना को निगोहां में मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया. चेकिंग के दौरान ऑटो पलटने पर आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग की. जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगते ही शातिर बदमाश हाथ जोड़कर जान की भीख मांगने लगा.

उत्तर प्रदेश की लखनऊ पुलिस ने मॉल में काम करने वाली युवती से सामूहिक दुष्कर्म करने वाले मुख्य आरोपी उपदेश लोधी उर्फ गहना को आधी रात को हुई एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है. जवाबी फायरिंग में पैर में गोली लगते ही शातिर बदमाश पुलिस के सामने गिड़गिड़ाने लगा.

आपको बता दें कि लखनऊ के निगोहां थाना क्षेत्र के रामादेई खेड़ा मार्ग पर आधी रात को पुलिस और सर्विलांस टीम ने चेकिंग के दौरान मॉल कर्मी युवती से सामूहिक दुष्कर्म करने वाले मुख्य आरोपी उपदेश लोधी उर्फ गहना को एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया. पुलिस को देखते

ही ऑटो से भाग रहे 26 वर्षीय आरोपी का बैलेंस बिगड़ने से ऑटो पलट गया. खुद को घिरता देख बदमाश ने पुलिस टीम पर सीधे फायरिंग झोंक दी, जिसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की. इस मुठभेड़ में आरोपी के बाएं पैर में गोली लगी और वह जमीन पर गिरकर माफी मांगने लगा.

बीती 31 मई की शाम को मॉल से ड्यूटी खत्म कर घर लौट रही 19 साल की युवती तेलीबाग चौराहे से उपदेश के ऑटो में बैठी थी. रास्ते में अन्य सवारियों के उतर जाने के बाद आरोपी और उसके साथी ने ऑटो को गौतमखेड़ा के सुनसान जंगलों की तरफ मोड़ दिया और युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया. वारदात के दौरान सामने से आ रही एक कार की हेडलाइट देखकर आरोपी घबरा गए और पीड़िता को वहीं छोड़कर भाग निकले. डरी हुई युवती ने कार सवार से मदद मांगी और 1 जून को मुकदमा दर्ज कराया गया.

शातिर अपराधी है उपदेश लोधी

डीसीपी साउथ अमित कुमार आनंद ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी उपदेश लोधी उर्फ गहना निगोहां के रंजीत खेड़ा का रहने वाला शातिर अपराधी है, जिस पर रायबरेली में भी हत्या के प्रयास का मामला दर्ज है. मुठभेड़ के बाद घायल बदमाश को इलाज के लिए पीजीआई ट्रामा सेंटर भेजा गया है. पुलिस ने उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल ऑटो, एक अवैध देसी तमंचा, जिंदा कारतूस और खोखा बरामद किया है. फिलहाल पुलिस वारदात में शामिल उसके फरार साथी की सरगर्मी से तलाश कर रही है.

उप्र : शासकीय अधिवक्ता समुदाय ने विभिन्न अदालतों में पैरवी करने वाले शासकीय अधिवक्ताओं की फीस वृद्धि पर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ का आभार जताया

(जीएनएस)।

लखनऊ, पांच जून (भाषा) उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न अदालतों में राज्य सरकार की ओर से पैरवी करने वाले शासकीय अधिवक्ताओं की रिटेनरशिप एवं बहस फीस में वृद्धि किए जाने के निर्णय का अधिवक्ता समुदाय ने स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया है।

राज्य के महाधिवक्ता और उनकी पूरी टीम ने इसे ऐतिहासिक निर्णय बताया है।

यहां जारी बयान में अधिवक्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अदालतों में राज्य के हितों की प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने की आवश्यकता को समझते हुए इस विषय पर पहल की और अब प्रदेश मंत्रिमंडल ने रिटेनरशिप एवं बहस फीस में ऐतिहासिक वृद्धि का निर्णय लेकर अधिवक्ता समुदाय की लंबे समय से चली आ रही अपेक्षा को पूरा किया है। बयान के अनुसार, यह निर्णय केवल फीस वृद्धि का विषय नहीं है, बल्कि न्यायिक व्यवस्था को अधिक सक्षम, उत्तरदायी और परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जिससे अदालतों में राज्य सरकार के मामलों की गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध पैरवी को और बल मिलेगा। महाधिवक्ता अजय मिश्र ने कहा कि विभिन्न श्रेणी के पैनल अधिवक्ताओं तक इस निर्णय का व्यापक लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि बदलते न्यायिक परिदृश्य, मुकदमों की बढ़ती संख्या, जटिल विधिक विषयों तथा अधिवक्ताओं की बढ़ी जिम्मेदारियों को देखते हुए पारिश्रमिक संरचना के पुनरीक्षण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। विशेष रूप से जनपद अदालतों के अधिवक्ताओं की फीस में लगभग 10 वर्ष तथा महाधिवक्ता स्तर पर लगभग 14 वर्ष बाद संशोधन किया जाना प्रदेश सरकार की संवेदनशीलता और दूरदर्शिता को दशार्ता है।

लखनऊ में सीवर की सफाई के दौरान दम घुटने से बाप-बेटे की मौत, दो घंटे तक 20 फीट गहरे सीवर में फंसे रहे

नगर आयुक्त ने कहा है कि संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी.

(जीएनएस)।

लखनऊ : रेजिडेंसी क्षेत्र में सीवर लाइन की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से पिता और बेटे की मौत हो गई. दोनों करीब दो घंटे तक लगभग 20 फीट गहरे सीवर में फंसे रहे. बाहर निकालकर दोनों को ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. दोनों एक ठेकेदार के अधीन कार्य कर रहे थे. आरोप है कि उन्हें बिना किसी सुरक्षा उपकरण के सीवर में उतारा गया था. न तो उनके पास ऑक्सीजन सिलेंडर था, न गैस डिटेक्टर, न ही सेफ्टी बेल्ट.

नगर आयुक्त गौरव कुमार ने घटना पर दुख जताते हुए कहा है कि संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी. साथ ही मृतकों के परिजनों को नियमानुसार मुआवजा भी दिया जाएगा. लखनऊ में यह पहला मामला नहीं है. इससे पहले 8 मई 2026 को माल क्षेत्र में एक सेफ्टी टैंक की सफाई के दौरान दो मजदूरों, रिंकू और राजेश की जहरीली गैस से दम घुटने के कारण मौत हो गई थी.

हादसों में दिख रहा एक जैसा पैटर्न : हाल के सभी मामलों में कुछ समान तथ्य सामने आए हैं. मजदूरों को बिना सुरक्षा उपकरणों के सीवर या टैंक में उतार दिया जाता है. बंद सीवर और सेप्टिक टैंकों में मीथेन तथा हाइड्रोजन सल्फाइड जैसी जहरीली गैस जमा हो जाती है, जिनकी वजह से अंदर जाते ही दम घुटने लगता है. अक्सर एक व्यक्ति के बेहोश होने पर उसे बचाने के लिए दूसरा व्यक्ति नीचे उतरता है और वह भी हादसे का शिकार हो जाता है.

कानून क्या कहता है? 'प्रोहिबिशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट ऐज मैनुअल स्कैवेंजर्स एंड देयर रिहैबिलिटेशन एक्ट, 2013' के तहत बिना सुरक्षा उपकरणों के किसी व्यक्ति को सीवर या सेप्टिक टैंक में उतारना अपराध की श्रेणी में आता है. कानून के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा सकती है तथा उन्हें जेल की सजा भी हो सकती है.

नगर निगम पर उठ रहे सवाल : हर हादसे के बाद जिम्मेदारी को लेकर सवाल खड़े होते हैं. अक्सर नगर निगम और संबंधित एजेंसियां ठेकेदारों पर जिम्मेदारी डाल देती हैं, जबकि श्रमिकों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना और मानकों का पालन सुनिश्चित करना संबंधित विभागों की भी जिम्मेदारी होती है.

नगर निगम ने हाल के हादसों को देखते हुए खुले नालों और मैनहोल को तत्काल ढकने तथा 24 घंटे कंट्रोल रूम के माध्यम से निगरानी के निर्देश जारी किए हैं. नागरिकों से भी अपील की गई है कि यदि कहीं खुला मैनहोल दिखाई दे तो इसकी सूचना टोल फ्री नंबर 1533 पर दें.

एआई सेक्टर का नया हब बनेगा भारत, पीएम मोदी बोले- दुनिया की डिजिटल अर्थव्यवस्था भारत में

(जीएनएस)।

नई दिल्ली , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर यात्रा तेजी से आगे बढ़ रही है। एयरट्रंक ने भारत में करीब 3 लाख करोड़ रुपये निवेश कर पांच गीगावॉट डेटा सेंटर क्षमता विकसित करने की योजना बनाई है। कंपनी के सीईओ रॉबिन खुदा ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे आकर्षक डिजिटल निवेश केंद्रों में शामिल हो चुका है।

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को लेकर दुनिया की बड़ी कंपनियों का भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत की डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर यात्रा तेजी से आगे बढ़ रही है और अब वैश्विक कंपनियां भारत को भविष्य के बड़े टेक्नोलॉजी केंद्र के रूप में देख रही हैं। इसी कड़ी में एयरट्रंक ने भारत में करीब 3 लाख करोड़ रुपये यानी 30 अरब डॉलर निवेश करने की योजना का ऐलान किया है। कंपनी देश में 5 गीगावॉट डेटा सेंटर क्षमता विकसित करेगी। इसे भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में अब तक के सबसे बड़े प्रस्तावित निवेशों में माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह निवेश भारत को क्लाउड कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी अक के वैश्विक केंद्र के रूप में मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के बड़े निवेश से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और स्थानीय सप्लाई चेन को भी मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत तेजी से दुनिया की डिजिटल अर्थव्यवस्था का अहम केंद्र बनता जा रहा है। उनका कहना था कि भविष्य की डिजिटल दुनिया का आकार अब भारत में तय हो रहा है। मोदी ने इसे देश की डिजिटल ताकत और स्थिर नीतियों का बड़ा संकेत बताया।

एयरट्रंक के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी रॉबिन खुदा ने कहा कि अब अक की दौड़ सिर्फ तकनीक तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर सबसे बड़ी जरूरत बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारत ने खुद को दुनिया के सबसे आकर्षक डिजिटल निवेश केंद्रों में शामिल कर लिया है। रॉबिन खुदा ने कहा कि उनकी कंपनी के इतिहास में यह सबसे बड़े डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यक्रमों में से एक होगा। उन्होंने कहा कि कुछ महीने पहले जब कंपनी भारत आई थी, तब की तुलना में अब यहां अवसर और भी बड़े दिखाई दे रहे हैं। यही वजह है कि कंपनी भारत में अपने निवेश का दायरा बढ़ा रही है।

डेटा सेंटर और एआई सेक्टर को इससे क्या फायदा होगा?

विशेषज्ञ मानते हैं कि इतने बड़े निवेश से भारत में डेटा सेंटर उद्योग को नई रफ्तार मिलेगी। अक् क्लाउड कंप्यूटिंग और डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग के कारण दुनिया भर में बड़े डेटा सेंटर की जरूरत बढ़ रही है। भारत में इंटरनेट उपयोगकताओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है और सरकारी सेवाएं भी तेजी से डिजिटल हो रही हैं। ऐसे में बड़े डेटा सेंटर देश की डिजिटल जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएंगे। इससे स्टार्टअप, टेक कंपनियों और डिजिटल कारोबार को भी फायदा मिलने की उम्मीद है।

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए यह निवेश कितना अहम?

भारत पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल इंडिया, 5ॠ अक और क्लाउड टेक्नोलॉजी पर तेजी से काम कर रहा है। सरकार लगातार विदेशी निवेश आकर्षित करने की कोशिश कर रही है। एयरट्रंक का यह बड़ा निवेश दिखाता है कि वैश्विक कंपनियां भारत को लंबे समय के लिए भरोसेमंद डिजिटल बाजार मान रही हैं। इससे भारत की वैश्विक टेक्नोलॉजी ताकत और मजबूत होगी। साथ ही आने वाले वर्षों में देश डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और AI सेक्टर में दुनिया के बड़े केंद्रों में शामिल हो सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश का हुआ अभूतपूर्व विकास, जनता खुश भाजपा के नेताओं ने प्रतिक्रियाएं दी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे लंबे समय तक कार्यकाल में रहने का रिकॉर्ड बनाने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने प्रतिक्रियाएं दी हैं। भाजपा नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में अभूतपूर्व विकास हो रहा है और जनता खुश है।

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे लंबे समय तक कार्यकाल में रहने का रिकॉर्ड बनाने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने प्रतिक्रियाएं दी हैं। भाजपा नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में अभूतपूर्व विकास हो रहा है और जनता खुश है।

मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े ने कहा, "यह हमारे लिए अत्यंत गर्व की बात है। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यों को हम सब 2014 से देख रहे हैं। वे देश और भारत की जनता के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। देश भर में हो रहे विकास को लेकर जनता में खुशी का माहौल है।"

उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने कार्यकाल में नया रिकॉर्ड बनाने वाले हैं। भारतीय जनता

पार्टी और सरकार ने 5 जून से 21 जून तक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की है। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। ये 12 वर्ष प्रधानमंत्री मोदी की गरीबों के कल्याण के प्रति सेवा, समर्पण और प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं।"

उत्तर प्रदेश के भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा, "2024 के लोकसभा चुनाव के बाद से, जिन सभी राज्यों में चुनाव हुए हैं, चाहे वह हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार या पश्चिम बंगाल हो, सभी परिणामों को देखें तो प्रधानमंत्री मोदी अभी भी सबसे लोकप्रिय नेता हैं। प्रधानमंत्री के कार्यों के आधार पर मैं कह सकता हूं कि 2029 में भी जनता उन्हें चुनेगी।"

मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री विश्वास सारंग ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उनके नेतृत्व में देश ने सुशासन, आर्थिक अनुशासन, विकास और कल्याणकारी सरकार देखी है और एक ऐसा प्रयास भी देखा है, जिसने विश्व स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा को बढ़ाया है।"

भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी ने 12 वर्ष का कार्यकाल पूरा कर लिया है। आज विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में, 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत देशभर में पौधरोपण अभियान चलाए जा रहे हैं। भाजपा के दिल्ली गेट मंडल में, इसी अभियान के तहत एक पौधा लगाया गया है।"

विजयपुरा (कर्नाटक) में विधायक बसंगौड़ा पाटिल यतनाल ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबसे लंबे कार्यकाल का जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ने जा रहे हैं। वे स्वतंत्र भारत में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्री बन जाएंगे। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने देश के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिए हैं। हम सभी उन्हें शुभकामनाएं देते हैं और कामना करते हैं कि वे अगले 10 वर्षों तक भी प्रधानमंत्री बने रहें।"

जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा, "प्रधानमंत्री का कार्यकाल निसंदेह अविस्मरणीय है। यदि हम वैश्विक संदर्भ में भारत की स्वीकृति को देखें, तो यह सर्वव्यापी है। युवाओं के लिए रोजगार और अवसर सृजित किए जा रहे हैं।"

पर्यावरण बचाने के लिए जनभागीदारी जरूरी : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नागरिकों से प्रकृति और जलस्रोतों को नुकसान पहुंचाने वाले भूमाफिया, वन माफिया, खनन माफिया तथा तस्करों के प्रति सजग रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हर नागरिक का दायित्व है कि वह मातृभूमि और पर्यावरण के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करे। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उन्होंने लोगों से जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आ'ान करते हुए कहा कि यदि कोई टोंटी चोरी कर रहा है या पानी बर्बाद कर रहा है तो ऐसे लोगों को टोकना चाहिए।

प्रदेशवासियों को दिलाए पांच पर्यावरणीय संकल्प

मुख्यमंत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रदेशवासियों को पांच संकल्प दिलाए। इनमें 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण, लगाए गए पेड़ों की सुरक्षा, जल संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करना और प्रकृति के अनुरूप जीवनशैली अपनाना शामिल है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि पानी व्यर्थ न जाए।

जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को लेकर जताई चिंता

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित 'उत्तर प्रदेश में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान' विषयक

संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जल, वन और जीवन एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं, लेकिन मानव समाज ने लंबे समय तक इनकी उपेक्षा की है। उन्होंने कहा कि पिछले 25 वर्षों की तुलना में मौसम चक्र में एक से डेढ़ महीने का अंतर आ चुका है, जिसका सबसे अधिक असर कृषि और किसानों पर पड़ेगा। अतिवृष्टि, अनावृष्टि और खाद्यान्न संकट जैसी चुनौतियां भविष्य के लिए चेतावनी हैं।

भारतीय परंपरा में प्रकृति संरक्षण का महत्व

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति और ऋषि परंपरा ने हमेशा प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया है। उन्होंने भगवान राम के कथन 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' का उल्लेख करते हुए कहा कि मां और मातृभूमि के प्रति कृतज्ञता और कर्तव्यबोध हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में पशु-पक्षियों और प्रकृति के प्रत्येक तत्व के साथ मानव का संबंध जोड़ा गया है, जो पर्यावरण संरक्षण की गहरी सोच को दशार्ता है।

पौधरोपण और वन क्षेत्र विस्तार पर जोर

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आ'ान पर प्रदेश में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को व्यापक रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 में वन विभाग की नर्सरियों में जहां केवल पांच लाख पौधे उपलब्ध थे, वहीं आज सरकारी और निजी नर्सरियों में 55 करोड़ पौधे तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अभियान के तहत पांच करोड़ पौधे लगाए जा रहे हैं और जुलाई में एक दिन में 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

जलस्रोतों और रामसर स्थलों के संरक्षण की आवश्यकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश जल संसाधनों की दृष्टि से समृद्ध राज्य है और तालाबों, पोखरों, बावड़ियों तथा आर्द्रभूमियों को अतिक्रमण से मुक्त कर संरक्षित करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि नौ वर्ष पहले प्रदेश में केवल एक रामसर स्थल था, जबकि अब इनकी संख्या बढ़कर 13 हो गई है। बलिया स्थित सुरहा ताल को हाल ही में प्रदेश के 13वें रामसर स्थल के रूप में मान्यता मिली है।

पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी की भूमिका

योगी आदित्यनाथ ने ग्राम प्रधानों, नगर निकायों के प्रतिनिधियों और आम नागरिकों से तालाबों, कुओं, पोखरों और अमृत सरोवरों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आ'ान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं है, बल्कि इसमें समाज की भागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने व्यापक आधारभूत ढांचे के विकास के साथ-साथ वन क्षेत्र बढ़ाने में भी सफलता हासिल की है और पिछले नौ वर्षों में 242 करोड़ पौधे लगाए गए हैं।

लखनऊ में जमीन मालिकों की बल्ले-बल्ले! 32 गांवों की कृषि भूमि के सर्किल रेट 200% तक बढ़े

बढे हुए सर्किल रेट में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, कानपुर रोड और बिजनौर रोड के आसपास के गांवों की जमीनों की दर एक करोड़ से सवा करोड़ प्रति हेक्टेयर पहुंच गयी है.

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में जिला प्रशासन ने कृषि भूमि के सर्किल रेट बढ़ा दिए हैं. 32 गांवों की कृषि योग्य जमीनों के सर्किल रेट 100 से 200 प्रतिशत तक बढ़ा दिए हैं. जिसके बाद कृषि भूमि मालिकों की लाटरी मानी जा रही है. बढे हुए सर्किल रेट में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, कानपुर रोड और बिजनौर रोड के आसपास के गांवों की जमीनों की दर एक करोड़ से सवा करोड़ प्रति हेक्टेयर पहुंच गयी है.

दरअसल प्रशासन ने मौजूदा डीएम सर्किल रेट और मार्केट रेट के बीच अंतर को कम करने के लिए संशोधन का प्रस्ताव रखा था. जिसे

स्वीकार करते हुए, अब उन गांवों में सर्किल रेट 50 लाख से एक करोड़ तक पहुंच गए हैं. गुरूवार से नई दरें लागू कर दी गयीं हैं.

एक साल पहले डीएम का सर्किल रेट बदला था

यहां बता दें कि एक अगस्त 2025 को एक दशक बाद डीएम सर्किल रेट बदले गए थे. जिनमें शहर से लेकर गांव तक कृषि, आवासीय और व्यवसयिक जमीनों के सर्किल रेट बढ़ गए थे. इसमें नगर निगम और लखनऊ विकास प्राधिकरण की सीमा में सरोजनी नगर और मोहनलाल गंज की कृषि जमीनें सबसे महंगी हो गयी थीं. अब मौजूदा मार्केट रेट के अंतर को देखते हुए संशोधित ड्रेन लागू की गयीं हैं.

जिन प्रमुख मार्गों पर महंगी हुई जमीनें

जिन क्षेत्रों की जमीनों पर असर दिखेगा अब उनमें भागू खेड़ा चौराहे से किसान पथ तक, गांव जुनाब्गंज चौराहे से भागू खेडा चौराहे तक. बिजनौर रोड से बंथरा तक सभी गांव कानपुर रोड से कटी बगिया मोहान रोड और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के आसपास के गांव शामिल हैं.

इसमें मोहनलाल गंज के 161 गांवों, सरोजनी नगर के 52 गांव, बख्शी का तालाव में 95 गांव, मलीहाबाद के 13 और सदर के छह के साथ बाकी के 332 गांवों में संशोधन का प्रस्ताव भेजा गया था. तीन जून को आपत्ति सुनने के बाद नए सर्किल रेट शुरू कर दिए गए हैं.

चंद्रनाथ रथ हत्याकांड: शुभेंदु अधिकारी के पीए की हत्या में लखनऊ और बलिया से दो आरोपी गिरफ्तार, सीबीआई ने पकड़ा

शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या में लखनऊ और बलिया से दो आरोपी गिरफ्तार किए गए है। सीबीआई ने यह कार्रवाई की है। एक अन्य आरोपी ने बलिया की कोर्ट में आत्मसमर्पण किया है। आगे पढ़ें पूरी खबर...

(जीएनएस)।

लखनऊ, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई की है। सीबीआई ने लखनऊ और बलिया से हत्याकांड में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं एक अन्य आरोपी ने बलिया की गैंगस्टर कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। उसको 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

सीबीआई अधिकारियों के मुताबिक आरोपी विकास मिश्रा को

लखनऊ के एक होटल से गिरफ्तार किया गया, जबकि गोलू सिंह को बलिया से दबोचा गया। एजेंसी दोनों आरोपियों से पूछताछ कर हत्या की साजिश और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जानकारी जुटा रही है। सीबीआई दोनों आरोपियों को कोलकाता की विशेष अदालत में पेश करेंगी। कस्टडी रिमांड पर लेने के लिए भी सीबीआई अर्जी दे सकती है।

उधर, हत्याकांड में फरार बलिया के ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोनू ने बृहस्पतिवार को बलिया की गैंगस्टर कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। ज्ञानेंद्र शातिर अपराधी है। उस पर एक दर्जन केस दर्ज हैं। उस पर गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई हो चुकी है। उसी में वह वांछित थी। मौका पाकर उसने सरेंडर कर दिया। सीबीआई हत्याकांड की गहनता से छानबीन कर रही है। उसी में यूपी से कनेक्शन सामने आया था। उसी के तहत यहां कार्रवाई शुरू की है। कई और आरोपियों की भी गिरफ्तारी हो सकती है।

छह मई को हुई थी हत्या

गौरतलब है कि छह मई को पश्चिम बंगाल में चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज वारदात के बाद मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। जांच एजेंसी हत्या के पीछे की साजिश, फंडिंग, आपराधिक नेटवर्क और अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की पड़ताल कर रही है।

बैंकॉक से लखनऊ पहुंचे विमान यात्री के पास मिला 10 किमी. गांजा, अधिकारियों ने ट्रॉली बैग से बरामद की प्रतिबंधित सामग्री

लखनऊ हवाई अड्डे पर बैंकॉक से आए एक भारतीय यात्री के ट्रॉली बैग से 10 किलो से अधिक गांजा बरामद किया गया।

(जीएनएस)।

लखनऊ। चौधरी चरण सिंह अंतर राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार को फिर गांजा बरामद हुआ है। विमान बैंकाक से मस्कट होकर लखनऊ पहुंचा था। भारतीय यात्री के ट्राली बैग की जांच में 13 पालीथिन पैकेटों में 10 किलो गांजा मिला है। पिछले महीनों में गांजा बरामद होने की घटनाएं रह-रहकर सामने आ चुकी हैं।

बैंकाक से मस्कट होते हुए उड़ान संख्या डब्ल्यूवाई-265 दोपहर में अमौसी हवाई अड्डे पर पहुंची। विशिष्ट सूचना के आधार पर हवाई अड्डे के एयर इंटेलिजेंस यूनिट के सीमा शुल्क अधिकारियों को एक यात्री के पास

गांजा (हाइड्रोपोनिक वीड) होने का संदेह हुआ।

ट्रॉली बैग से बरामद हुई प्रतिबंधित सामग्री

प्रतिबंधित सामग्री भारतीय यात्री के ट्रॉली बैग से बरामद की गई। हवाई अड्डे के अपर आयुक्त जितेंद्र सिंह ने बताया, ड्यूटी पर तैनात सीमा शुल्क अधिकारियों ने उक्त यात्री को ग्रीन चैनल पर रोककर उसके व्यक्तिगत सामान की एक्स-रे जांच और सामान की तलाशी ली थी। इसके बाद यात्री के ट्राली बैग की जांच करने पर प्लास्टिक की परतों में लिपटे 13 पालीथीन पैकेट बरामद हुए, जिनमें हरे रंग का हाइड्रोपोनिक था।

बरामद पदार्थ का कुल वजन 10.397 किलोग्राम है। इस हरे रंग के पदार्थ की प्रारंभिक (डायग्नोस्टिक) जांच की गई, तो प्रथम दृष्टया इसके गांजा होने की पुष्टि हुई है। यात्री के एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 8 के प्रविधानों का उल्लंघन करने पर गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में आगे की जांच की जा रही है।

'धर्म परिवर्तन करने पर 12 लाख का दिया लालच...' जुबैर ने करन बनकर फंसाया, लखनऊ में पीड़िता की आपबीती

(जीएनएस)।

लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र में एक युवती ने युवक पर गंभीर आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है. पीड़िता का आरोप है कि युवक ने नाम और धर्म छिपाकर उसे प्रेमजाल में फंसाया, शादी का झांसा देकर यौन शोषण किया और उससे लाखों रुपये व जेवर भी हड़प लिए. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र में सनसनीखेज मामला सामने आया है. यहां एक युवती ने युवक पर गंभीर आरोप लगाए हैं. पीड़िता का कहना है कि युवक ने अपनी पहचान और धर्म छिपाकर उसे प्रेमजाल में फंसाया, शादी का झांसा देकर लंबे समय तक उसका शोषण किया और इस दौरान उससे पैसे व जेवर भी हड़प लिए.

पीड़िता का कहना है कि करीब डेढ़ साल पहले उसकी मुलाकात आलमबाग के रहने वाले जुबैर से हुई थी. उसने अपना नाम करन बताया था और हिंदू होने का दावा किया. आरोपी ने पहले दोस्ती की, फिर शादी का भरोसा देकर युवती को प्रेमजाल में फंसा लिया. इस दौरान वह उसे अलग-अलग जगहों पर ले गया और नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म किया. आरोप है कि उसने आपत्तिजनक वीडियो भी बना लिए और बाद में यौन शोषण करता रहा. जब युवती ने शादी का दबाव बनाया, इसी बीच जांच-पड़ताल में उसे पता चला कि करन का असली नाम जुबैर है. इसके बाद आरोपी शादी से बचने लगा. युवती का आरोप है कि बिजनेस में इनवेस्टमेंट और अन्य जरूरतों का हवाला देकर आरोपी ने उससे कैश और जेवरात भी ले लिए, जिन्हें वापस नहीं किया.

पीड़िता का आरोप है कि जब उसने शादी की बात की तो आरोपी और उसके परिजनों ने उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाना शुरू कर दिया. उसे बुर्का पहनने के लिए मजबूर किया गया. धर्म परिवर्तन करने पर 12 लाख रुपये दिलाने का लालच दिया गया. जब उसने विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी दी गई. इसी के साथ वीडियो वायरल करने की धमकी दी गई.

पुलिस के मुताबिक, पीड़िता की शिकायत के आधार पर जुबैर और उसके परिजनों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है. युवती का मेडिकल कराया जा रहा है और मजिस्ट्रेट के समक्ष उसके बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है. पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और आरोपियों के प्रयास किए जा रहे हैं.

लखनऊ में बिना फायर एनओसी चल रहे 150 होटल, सेफ्टी ऑडिट में खुलासा, सीएफओ बोले- एक्शन लेंगे

(जीएनएस)।

लखनऊ : दिल्ली के मालवीयनगर में हुए भीषण अग्निकांड के बाद लखनऊ में भी पुलिस प्रशासन अलर्ट है. होटल की सुरक्षा व्यवस्था की जांच की जा रही है. फायर ऑडिट किया जा रहा है. जांच में पता चला है कि लखनऊ में लगभग 150 ऐसे होटल हैं, जिनके पास फायर एनओसी नहीं है. विभाग की ओर से नोटिस जारी किया गया है. अब सवाल यह है कि आखिर इनके खिलाफ कब कार्रवाई होगी?

लखनऊ के चीफ फायर ऑफिसर अंकुश मित्तल ने कहा, लखनऊ में एक सप्ताह का खास अभियान चलाया जा रहा है, जिसके चलते हम विभिन्न होटलों, रेस्टोरेंट, विद्यालयों और अपार्टमेंट्स में जाकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि वहां पर फायर सेफ्टी के उपकरण मौजूद हैं या नहीं? एक तरीके से राजधानी लखनऊ में फायर सेफ्टी ऑडिट किया जा रहा है.

अंकुश मित्तल ने बताया, सामान्य दिनों में भी विभाग की ओर से बड़े पैमाने पर जांच की जाती है. हमारे पास विभिन्न क्षेत्रों के लिए जोनल अधिकारी हैं, जिनके माध्यम से हर क्षेत्र में स्थित होटल, रेस्टोरेंट, मॉल, हॉस्पिटल, विद्यालय और भवनों में फायर सेफ्टी का ऑडिट किया जाता है. लखनऊ में 150 ऐसे होटल मिले हैं जिनके पास फायर एनओसी नहीं है, जिनको नोटिस जारी किया गया है.

उन्होंने कहा, जिन होटलों को नोटिस दी जाती है, यदि वह समय रहते नोटिस का पालन करते हुए फायर एनओसी नहीं लेते हैं तो उनके खिलाफ कार्यवाही की जाती है. उनका बिजली कनेक्शन काटना, जुमार्ना लगाना व बिल्डिंग को सीज करने तक की कार्यवाही की जाती है. फायर एनओसी लेने के लिए पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया गया है. कोई भी व्यक्ति हमारी वेबसाइट पर जाकर फायर एनओसी के लिए अप्लाई कर सकता है.

उन्होंने कहा, अलग-अलग क्षेत्रफल के भवन के लिए अलग-अलग नियम निर्धारित किए गए हैं. बिल्डिंग के क्षेत्रफल को ध्यान में रखते हुए जो मानक है, उसे पूरा करने पर फायर एनओसी उपलब्ध कराई जाती है. एकल भवन या फिर 2000 स्क्वायर फीट से छोटे भवन को फायर एनओसी लेने की आवश्यकता नहीं होती है. लेकिन सुरक्षा का ध्यान रखते हुए सभी को अपने पास फायर फाइटर यंत्र रखने चाहिए.

अंकुश मित्तल ने बताया, जिन भवनों के पास फायर एनओसी नहीं होती है, उन्हें नोटिस जारी करते हैं. साथ ही लोगों को भी जागरुक करते हैं जिससे कि जागरूकता आए और वह अपनी बिल्डिंग, भवन के आसपास फायर फाइटर संयंत्र का इंस्टालेशन कराएं, जिससे की यदि आग लगे तो समय पर काबू पाया जा सके.